लखनऊ, सोमवार
26 नवंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

मनुष्य की दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए जल संरक्षण

सोर्सेज ऑफ प्लैनेट एनर्जी एनवायर्रमेंटल एंड डिजास्टर साइंस स्पीड्स-2018 का समापन

संसू लखनऊ : वर्तमान समय में जल से ऊर्जा उत्पादित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। यदि हम इस ऊर्जा को हाइड्रो इंजीनियरिंग जैसी विधा से परिवर्तित कर सके तो ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकते हैं। साथ ही आज के समय में जिस तरह से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट हो रहा है। ऐसी स्थिति में हर एक व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि उसे जल संरक्षण के प्रति गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।

सुलतानपुर रोड स्थित एसएमएस कॉलेज में दो दिवसीय जल संरक्षण पर आयोजित संगोष्ठी के समापन अवसर पर ये बातें कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. जेपी पांडेय ने कही। प्रो. जेपी पांडेय ने छात्रों व वैज्ञानिको से जल संरक्षण को एक अभियान के रूप में अपनाने का अनुरोध किया गया, जिससे आगे आने वाली पीढ़ियों को इसकी समस्या से जूझना न पड़े।

संगोष्ठी में सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसएमएस शरद सिंह ने कहा कि जब देश आजाद हुआ था उस समय पर्याप्त मात्रा में जल उपयोग हेतु उपलब्ध था। इसीलिए उस समय इसके संचय एवं समुचित दोहन पर ध्यान नहीं दिया गया। इस कारण दिन प्रतिदिन जल भंडारण की क्षमता में कमी होती चली जा रही है, जो पर्यावरण के असंतुलन का कारण बनता जा रहा है और दिन प्रतिदिन तापमान में वृद्धि होती जा रही है। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. मनोज मेहरोत्रा, डॉ. भरत राज सिंह, डायरेक्टर जनरल तकनीकी एसएमएस प्रवीन सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में जल संरक्षण के बारे में जानकारी देते वक्ता